E
Batch - 2020-21/ 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर– २०२२

सत्र – २

विषय : पाश्चात्य साहित्यशास्त्र एवं आलोचना (HC - 201)

दि.: १६/१२/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ पाश्चात्य साहित्यशास्त्र की विकास यात्रा में विभिन्न आचार्यों के योगदान को अधोरेखित कीजिए ।

प्र. २ संप्रेषण सिद्धान्त के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए, उसके महत्त्व को अधोरेखित कीजिए ।

प्र. ३ लोंजाइनस का परिचय देते हुए उसके उदात्त सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ आलोचना के स्वरुप को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ५ संरचनावाद के स्वरुप पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ६ क्रोच के अभिव्यंजनावाद को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ शुक्लयुगीन आलोचकों पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ८ अनुकरण सिद्धान्त के स्वरुप को स्पष्ट करते हुए, उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ९ होरेस के काव्य विवेचन को रेखांकित कीजिए ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) विरेचन सिद्धान्त

२) संप्रेषण सिद्धान्त

३) काव्य में प्रतीक का महत्त्व

४) यथार्थवाद